राज्यों के स्थापना दिवस पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में

माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया का सम्बोधन

दिनांक 31 अक्टूबर 2023, मंगलवार	**समय : 4.00 PM**	**स्थान : श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र**

- असम की प्रथम महिला श्रीमती अनिता कटारिया जी,
- असम के माननीय मुख्यमंत्री श्री हिमंत विश्व शर्मा जी,
- असम सरकार के माननीय मंत्री श्री जोगेन मोहन जी एवं श्री उरखाओ ग्वार ब्रह्म जी
- अलग-अलग राज्यों का प्रतिनिधित्व कर रहे सम्मानित प्रतिनिधियों एवं कलाकारों,
- उपस्थित अधिकारीगण
- मीडिया के हमारे मित्रों,
- उपस्थित देवियों और सज्जनों,

आप सभी को मेरा नमस्कार,

आज हम यहां “एक भारत श्रेष्ठ भारत” के अंतर्गत देश की राजधानी दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शाषित प्रदेशों का स्थापना दिवस मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं।

हमारे लिए प्रसन्नता की बात है कि असम अन्य राज्यों के राज्य दिवस मनाने की स्वस्थ परम्परा का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहा है।

मित्रों,

“विविधता में एकता” भारत की पहचान है, जिसका निर्माण विविध भाषा, संस्कृति, धर्म के तानो-बानो, अहिंसा और न्याय के सिद्धांतों पर आधारित स्वतंत्रता संग्राम तथा सांस्कृतिक विकास के समृद्ध इतिहास द्वारा हुआ है| लोगों की आपसी समझ की भावना ने विविधता में एकता को सक्षम किया है, जो राष्ट्रवाद की एक लौ के रूप में सामने आती है। इसे भविष्य में पोषित करने की आवश्यकता है।

इसी दृष्टिकोण से हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर 2015 को “एक भारत श्रेष्ठ भारत” की महत्वकांक्षी योजना की शुरुआत की। इस योजना का उद्देश्य मौजूदा सांस्कृतिक संबंधों के माध्यम से देश के विभिन्न भागों में एकता को बढ़ावा देना है।

इस योजना को प्रभावशाली बनाने के लिए केंद्र सरकार ने देश के सभी राज्यों को अन्य प्रदेशों का राज्य दिवस मनाने के निर्देश दिये हैं। इस पहल के तहत हर राज्य की विरासत और परंपराओं को प्रकट करने पर जोर दिया जा रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पहल विभिन्न राज्य और केंद्र शाषित प्रदेशों के लोगों को एक-दूसरे को जोड़ेगी और देश में एकता और अखंडता को बढ़ाएगी।

केंद्र सरकार के निर्देश के बाद हमने इस वर्ष 1 मई को गुजरात और महाराष्ट्र के राज्य दिवस मनाकर इस परंपरा की शुरुआत की। इसके बाद हमने 16 मई को सिक्किम, 30 मई को गोवा, 2 जून को तेलंगाना और 20 जून को पश्चिम बंगाल का स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया। इन कार्यक्रमों के दौरान मैंने देश की धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता में भावनात्मक जुड़ाव एवं एकता का सुखद अनुभव किया।

इस परम्परा को आगे बढ़ाते हुए हम यहां दो दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सहित 8 राज्यों और 4 केंद्र शाषित प्रदेशों का स्थापना दिवस मना रहे हैं।

1 नवंबर को कई राज्यों का राज्य दिवस होने के कारण आज हम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के साथ-साथ आंध्र प्रदेश, हरियाणा, केरल और केंद्र शाषित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अंडमान व निकोबार द्विप समूह और लक्ष्यद्विप के स्थापना दिवस का आयोजन कर रहे हैं।

मैं देख पा रहा हूं कि राज्य स्थापना दिवस अब राष्ट्रीय पर्व एवं त्योहार के समान ही विशेष दिवस के रूप स्थान बना रही है।

मेरा मानना है कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से एकता की भावना को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही यह राष्ट्र की संघीय ढांचे को भी मजबूती प्रदान करेगा। यह अभियान देश की विभिन्न संस्कृतियों और परम्पराओं को पहचानने और उजागर करने में भी मदद करेगा।

असम भौगोलिक रूप से जम्म-कश्मीर, लद्दाख, दिल्ली, केरल, आंध्र प्रदेश, हरियाणा, अंडमान एवं निकोबार द्विप समूह, लक्ष्यद्विप आदि से दूर होने के बाद भी यहां के लोगों से भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ है। इस अवसर पर इन राज्यों एवं केंद्र शाषित प्रदेशों पर बात करना प्रासंगिक होगा।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत में हाल ही में स्थापित केंद्र शाषित प्रदेश है, जो जम्मू डिवीजन और कश्मीर डिवीजन में विभाजित है, जो दोनों भारतीय केंद्र सरकार के नियंत्रण में हैं। यह अपने बगीचों, महलों, किलों और धार्मिक स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। इनमें सबसे प्रसिद्ध कटरा, जम्मू में माता वैष्णो देवी है, जिसे मंदिरों के शहर के रूप में भी जाना जाता है।

कश्मीर घाटी अपने घास के मैदानों, झीलों, ऊंचाई वाले दर्रों, पहाड़ी रिसॉर्ट्स, मुगल गार्डन, डल झील, शिकारा की सवारी और ऐतिहासिक धार्मिक इमारतों के लिए प्रसिद्ध है।

जम्मू और कश्मीर के इतिहास ने 6 अगस्त, 2019 को एक नए अध्याय का अनुभव किया, जब भारत सरकार ने अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया। इसने जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम को भी मंजूरी दी और 31 अकटूबर 2019 को पश्चिम में जम्मू और कश्मीर और पूर्व में लद्दाख को दो केंद्र शासित प्रदेशों के रूप में स्थापित किया।

1 नवंबर भारत के इतिहास में राज्यों के बनने-बिगड़ने का दिन है। वर्ष 1956 में पहली बार भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन का निर्णय लिया गया था। इनमें आंध्र प्रदेश, केरल, दिल्ली, अंडमान एवं निकोबार द्विप समूह, लक्ष्यद्विप आदि कई अन्य राज्य और केंद्र शाषित प्रदेश शामिल हैं।

देश के सभी राज्यों को एक महान संस्कृति और मेहनती लोगों का आशर्वाद प्राप्त है, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय प्रगति में योगदान दिया है। इन राज्यों ने देश के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ अपनी अनूठी संस्कृति की छाप छोड़ी है।

मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि ये सभी राज्य आने वाले समय में भी मां भारती की सेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें, जिससे हमारा देश विकास की नित्य नई ऊचाइयों को छूता रहे।

अंत में मैं राज्यों के स्थापना दिवसर के इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

धन्यवाद।

जय हिन्द।